ascia
australasian society of clinical immunology and allergy inc.

तीव्रग्रहिता (ऐनाफ़िलैक्सिस, ANAPHYLAXIS) के लिए प्राथमिक चिकित्सा उपचार

ऐनाफ़िलैक्सिस एक गंभीर ऐलर्जिक प्रतिक्रिया है जो जान लेवा भी हो सकती है। इसे हमेशा एक ऐसी चिकित्सा संबंधी आपात-स्थिति मान कर चलना चाहिए जिसमें तुरंत उपचार की आवश्यकता होती है। ऐनाफ़िलैक्सिस के अधिकतर केस तब होते हैं जब किसी गंभीर ऐलर्जी से पीड़ित व्यक्ति उस पदार्थ से प्रभावित होता है जिससे उसे ऐलर्जी है (आमतौर पर कोई खाद्य-पदार्थ, कीड़ा या दवा)।

कदम 1

कुछ स्थितियों में ऐनाफ़िलैक्सिस होने से पहले हल्के से ले कर मध्यम गंभीरता के ऐलर्जिक प्रतिक्रिया के चिन्ह उभर आते हैं:

- चेहरे, ओंठों व आँखों में सूजन होना
- त्वचा पर पित्ती या चकत्ते होना
- मुँह में झुनझुनी होना
- पेट में दर्द, उल्टी आना (अधिकतर ऐलर्जी होने वाले पदार्थों के यह हल्के से मध्यम गंभीरता के ऐलर्जिक प्रतिक्रिया के चिन्ह हैं, पर कीड़ों से ऐलर्जी होने पर यह ऐनाफ़िलैक्सिस के चिन्ह हैं)।

कार्यवाही

- कीडों से ऐलर्जी होने पर यदि डंक दिखता है तो उसे निकाल दें [पर किल्लियाँ (ticks) न हटाएँ]
- प्रभावित व्यक्ति के साथ ही रहें और मदद के लिए किसी को बुलाएँ
- यदि कोई दवा डॉक्टर ने पहले से बताई हुई है तो वह दें [हल्के से मध्यम गंभीरता के ऐलर्जिक प्रतिक्रिया के इलाज के लिए ऐन्टीहिस्टमिन (antihistamines) दी जा सकती है, पर यदि ऐनाफ़िलैक्सिस हो जाता है तो केवल ऐड्रानलीन (adrenaline) ही उचित दवा है
- यदि ऐड्रानलीन लगाने का **स्वचालित इन्जेकटर** (**adrenaline autoinjector**) पास में है तो उसे लाएँ (ऐनाफ़िलैक्सिस के उपयोग करने की सलाह में निर्देश दिए गए हैं, इसे हमेशा **adrenaline autoinjector** के साथ रखना चाहिए)
- पीड़ित व्यक्ति के माता-पिता/संरक्षक या अन्य आपात सहायता से संपर्क करें।

कदम 2

इस चीज़ का लगातार ध्यान रखें कि पीड़ित व्यक्ति को नीचे गिए गए ऐनाफ़िलैक्सिस (गंभीर ऐलर्जिक प्रतिक्रिया) के लक्षणों में से तो कोई नहीं हैं:

- साँस लेते समय कठिनाई या आवाज़ होना
- जीभ पर सूजन होना
- गले में सूजन /तनाव होना
- बोलने में कठिनाई होना और/या बैठी हुई आवाज़ होना
- साँस चलना या लगातार खाँसी आना
- बेहोश हो जाना और/या एकाएक गिर जाना
- पीला पड़ जाना या अस्थिर रहना (छोटे बच्चों में)

कार्यवाही

- **यदि उपलब्ध है तो adrenaline autoinjector** लगाएँ (ऐनाफ़िलैक्सिस के ASCIA उपयोग करने की सलाह में निर्देश दिए गए हैं, जो हमेशा **adrenaline autoinjector** के साथ रखे होते हैं)
- **ऐम्ब्यूलैन्स को बुलाएँ** (टेलीफ़ोन ऑस्ट्रेलिया में 000, न्यूज़ीलैंड में 111 या मोबाइल से 112)
- **बीमार व्यक्ति को सीधा लिटा दें और पांव ऊँचे कर दें – यदि साँस लेने में कठिनाई हो तो बैठने दें पर खड़ा न होने दें**
- पीड़ित व्यक्ति के माता-पिता/संरक्षक या अन्य आपात सहायता से संपर्क करें
- यदि 5 मिनिट तक कोई असर नहीं होता तो ऐड्रानलीन की एक और ख़ुराक दे सकते हैं (जब एक और **adrenaline autoinjector** आपके पास हो तो)।

जब आपको ज़रा सा भी शक हो तो adrenaline autoinjector दें।

- **ऐड्रानलीन से जान बचाई जा सकती है और उसका प्रयोग तुरंत करना आवश्यक है। ऐड्रानलीन का प्रयोग न करना या उसमें देर करने से तबीयत अधिक बिगड़ सकती है या मौत भी हो सकती है।** इसी कारण ऐनाफ़िलैक्सिस ASCIA उपयोग करने की सलाह में दिए गए निर्देशों में पहला कदम है adrenaline autoinjector देना। यदि adrenaline autoinjector देने से पहले हृदयफुफ्फुसीय चिकित्सा (CPR) दी जाती है तो यह ख़तरा रहता है कि ऐड्रानलीन देने में देर होती है या वह दी नहीं जाती।
- आमतौर पर **ऐम्ब्यूलैन्स में** पराचिकित्सक द्वारा रोगी को ऑक्सीजन दी जाती है।
- ऐनाफ़िलैक्सिस होने के बाद अस्पताल में **चिकित्सकों** द्वारा 4 घंटे के लिए रोगी पर **कड़ी नज़र रखने** की हम सिफ़ारिश करते हैं।
- ऑस्ट्रेलिया व न्यूज़ीलैंड में उपलब्ध **adrenaline autoinjector** है EpiPen व Anapen। आमतौर पर 1 से 5 वर्ष के बच्चों को EpiPen व Anapen का Junior रूप दिया जाता है।

© **ASCIA 2010** ऐनाफ़िलैक्सिस के विषय में अधिक जानकारी के लिए ASCIA की वेबसाइट www.allergy.org.au पर देखें।
ASCIA, ऑस्ट्रेलिया व न्यूज़ीलैंड में नैदानिक रोग-प्रतिरक्षा वैज्ञानिकों व ऐलर्जी विशेषज्ञों का प्रमुख व्यवसायिक निकाय है।